कोविड मुक्त गाँव परियोजना का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की एक निर्बाध, टिकाउ और एकीकृत मजबूती सुनिश्चित करने के लिये छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में जिला और राज्यस्तरीय अधिकारियों की भागीदारी के साथ एक 'राज्यस्तरीय प्री-लॉन्च' बैठक आयोजित की गई, जिसमें 'टीकाकरण-ऑनव्हील्स' (वेक्सीनेशन ऑन व्हील्स) वैन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो दूर-दराज के स्थानों में कोविड-19 टीकाकरण, नियमित टीकाकरण और अन्य प्राथमिक स्तर की दैनिक सुविधाएँ प्रदान करेगी।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि चाइल्डफंड इंडिया ने भारत के तीन राज्यों- झारखंड, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 'कोविड मुक्त गाँव' नामक एक बड़े पैमाने पर परियोजना शुरू करने की घोषणा की।
- समृद्ध के समर्थन के साथ, चाइल्डफंड का उद्देश्य एक स्थाई नेटवर्क देखभाल मॉडल स्थापित करना है, ताकि गुणवत्ता सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुँच सुनिश्चित हो सके।
- बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ, उपकरण और बच्चों के अनुकूल देखभाल (बाल चिकित्सा सेवाएँ) प्रदान करने के लिये 'कोविड मुक्त गाँव' परियोजना का समर्थन किया जा रहा है। निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से, टेलीमेडिसिन सेवाओं, स्वास्थ्य आउटरीच वाहनों और शिविरों के साथ प्रयास को बढ़ाया जाएगा।
- गौरतलब है कि भारत में चाइल्डफंड () देश में वंचित बच्चों की आवाज का प्रतिनिधित्व कर रहा है, जिसका मुख्य कार्यालय बंगलुरू में स्थित है और दिल्ली में प्रोग्राम ऑफिस है, जो चाइल्डफंड इंडिया का पंजीकृत कार्यालय भी है।
- भारत में चाइल्डफंड 15 राज्यों के 85 जिलों में काम करता है। लंबी अवधि की साझेदारी और प्रत्यक्ष कार्यान्वयन के माध्यम से यह सालाना 3200 समुदायों/गाँवों के लगभग 3 मिलियन बच्चों, युवाओं और उनके परिवारों तक पहुँचता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/covid-mukt-gaon-project